आरव और मीरा की प्रेम कहानी

Romantic Love Story in Hindi

आज की हमारी यह Romantic Love Story in Hindi आरव और मीरा के बारे में है। इस लेख में आपको इन दोनों प्रेमी जोड़ों की कहानी पढ़ने को मिलेगी।

SANGAMVIHAR.COM

आरव और मीरा

आरव बालकनी में बैठा था बारिश की बूंदों को शहर की गलियों में गिरते हुए देख रहा था। ताज़ी बनी कॉफी की खुशबू हवा में घुली थी और बैकग्राउंड में धीमी-धीमी धुन बज रही थी। यह एक परफेक्ट शाम थी लेकिन उसके दिल में हलचल थी। उसने अपना सिर घुमाया और अपनी पत्नी मीरा को देखा जो सोफे पर रखे कुशन ठीक कर रही थी और हल्की सी धुन गुनगुना रही थी।

उनकी शादी को दस साल हो चुके थे लेकिन कभी-कभी आरव को लगता था कि वह प्यार जो कभी उनके रिश्ते की पहचान था अब थोड़ा फीका पड़ गया है। ज़िंदगी बस जिम्मेदारियों काम और अनकहे शब्दों में उलझ कर रह गई थी। वे साथ थे फिर भी कहीं न कहीं एक दूरी महसूस होती थी।

www.sangamvihar.com

मीरा ने उसकी निगाहों को महसूस किया और मुस्कुराते हुए पूछा "फिर से खोए हुए हो?"

आरव ने एक गहरी सांस ली। "बस हमारे बारे में सोच रहा था मीरा। क्या तुम्हें कभी लगता है कि हम बदल गए हैं?"

मीरा ने प्यार से उसका हाथ पकड़ लिया। "बदलाव तो ज़िंदगी का हिस्सा है आरव। लेकिन प्यार... प्यार कभी खत्म नहीं होता जब तक हम उसे खत्म न होने दें।"

मीरा के शब्दों ने उसके दिल के किसी कोने को छू लिया। उसे एहसास हुआ कि वह रोजमर्रा की ज़िंदगी में इतना उलझ गया था कि उसने कभी अपने प्यार को संजोने की कोशिश ही नहीं की।

"तुम्हें याद है हमारी पहली मुलाकात?" आरव ने मुस्कुराते हुए पूछा।

SANGAMVIHAR.COM

मीरा खिलखिला उठी। “बिलकुल! भला मैं कैसे भूल सकती हूँ? तुमने मेरी ड्रेस पर कॉफी गिरा दी थी और माफी माँगने के बजाय ऐसे खड़े रहे जैसे कोई मासूम बच्चा गलती कर बैठा हो।”

आरव हंस पड़ा। “मैं तो बस तुम्हारी खूबसूरती में खो गया था मीरा। गुस्से में भी तुम इतनी सुंदर लग रही थी!”

मीरा ने उसे हल्के से मारते हुए कहा “अरे वाह! तुम्हें बस डर था कि मैं तुम्हें थप्पड़ न मार दूं।”

दोनों जोर से हंस पड़े और उनके बीच की खामोशी एक मीठी हंसी में घुल गई। आरव ने मीरा के चेहरे से एक लट हटाते हुए कहा “मुझे ये सब बहुत याद आता है मीरा। हमारी हंसी हमारी छोटी-छोटी बातें।”

मीरा ने धीरे से कहा “तो क्यों न हम फिर से ऐसे पल बनाएँ?”

आरव ने मुस्कुराते हुए उसका हाथ पकड़ा। “चलो मेरे साथ।”

मीरा चौंक गई। “कहाँ?”

“बस चलो देखोगी।”

SANGAMVIHAR.COM

बारिश में भीगे शहर की गलियों से होते हुए वे गाड़ी से निकल पड़े। मीरा आरव के हाथ में हाथ डाले बैठी थी उसके चेहरे पर एक अनजानी उत्सुकता थी। थोड़ी देर बाद वे एक छोटे से कैफे के सामने रुके वही जगह जहाँ उनकी पहली मुलाकात हुई थी।

मीरा भावुक हो गई। “तुम्हें अब भी यह जगह याद है?”

“कैसे भूल सकता हूँ? यहीं से तो मेरी ज़िंदगी बदल गई थी।”

वे अंदर गए और उसी टेबल पर बैठे जहाँ उनकी पहली बातचीत हुई थी। तभी आरव ने अपनी जेब से एक छोटा सा मखमली डिब्बा निकाला और मीरा के सामने रख दिया।

मीरा की आँखें हैरानी से फैल गईं। “आरव ये क्या है?”

“खोल कर देखो।”

अगर आपको यह Romantic Love Story in Hindi पसंद आ रही है तो इसे अपने दोस्तों के साथ शेयर ज़रूर करें।

www.sangamvihar.com

मीरा ने धीरे-धीरे डिब्बा खोला और उसमें एक सुंदर अंगूठी रखी हुई थी उनके प्यार का एक नया प्रतीक। उसकी आँखों में आँसू आ गए।

“आरव...”

आरव ने मीरा की आँखों में झांकते हुए कहा “मैं नहीं चाहता कि हम कभी भूलें कि हमने एक-दूसरे से प्यार क्यों किया था। ज़िंदगी चाहे जितनी भी व्यस्त हो जाए मैं वादा करता हूँ कि मैं हमेशा तुम्हारे पास लौटूंगा।”

SANGAMVIHAR.COM

मीरा की आँखों से खुशी के आँसू बह निकले। उसने आरव का हाथ थाम लिया।

“तुमने मुझे कभी खोया ही नहीं आरव। मैं हमेशा यहीं थी बस तुम्हारे मेरी आँखों में झांककर यह देखने का इंतजार कर रही थी कि हमारा प्यार कभी नहीं बदला।”

कैफे की हलचल उनके चारों ओर जारी थी लेकिन उस पल में वे बस एक-दूसरे के लिए थे। एक ऐसा प्यार जो समय के साथ खो नहीं सकता था बस नया रूप लेता गया।

उसी टेबल पर बैठे हाथों में हाथ थामे उन्होंने महसूस किया यह उनकी प्रेम कहानी का सिर्फ एक और खूबसूरत अध्याय था।

www.sangamvihar.com

समाप्त!

ऐसी ही और भी *“Love Story in hindi”* कहानी पढ़ने के लिए विज़िट करें *www.sangamvihar.com* और हमें सोशल मीडिया पर भी फॉलो करें।

SANGAMVIHAR.COM